Total No. of Printed Pages—3

3 SEM FYUGP MINHIN3

2025

(Nov/Dec)

HINDI

(Minor)

Paper : MINHIN3

(स्थानीय भाषा के साहित्य का देवनागरी लिपि में अध्ययन)

Full Marks : 60

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×6=6

(क) शंकरदेव का प्रिय शिष्य कौन था?

(ख) माधवदेव का जन्म कहाँ हुआ था?

(ग) नलिनीबाला देवी किस युग की कवयित्री थीं?

(घ) रुक्मिणी किसकी अवतार थी?

(ङ) 'स्टाफ फटोग्राफर छवि' कहानी के लेखक कौन हैं?

(च) ज्योतिप्रसाद आगरवाला को 'रूपकोंवर' की उपाधि किसने दी थी?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) शंकरदेव ने संसार को दुःखमय क्यों कहा है? संक्षेप में लिखिए।

(ख) देवकांत बरुवा का जीवन-परिचय दीजिए।

(ग) 'रुक्मिणी-हरण' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) भवेन्द्रनाथ शइकीया का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) 'गह्वर' कहानी के किसी एक पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(च) ज्योतिप्रसाद आगरवाला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

(क) जगतर गुरु हरि काछि गोप काछे।
आभीरक बालक बेढ़ि चले आगे पाछे॥
शिका बान्धि चान्धि कान्धे लोइया दधि भात।
माथाये चान्दनी जड़ि साजे जगन्नाथ॥

(ख) आत्मार आदेश मानि
अतिक्रमी हिमालय—
तिब्बतर बरफस्तुपत जि मानुहे
मैत्री आरु अहिंसार
शलिता ज्वलाले,
सेइ मानुहर देश,
मोर एइ महान स्वदेश।

(Continued)

(ग) पापि सिसुपाल काल भेलो मेरि।
तोहारि चरने सरन लेलु हरि॥
गति गोबिन्द बिने नाहि नाहि आन।
रुक्मिनि करुना करू संकर भान॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) नलिनीबाला देवी का परिचय देते हुए 'परम तृष्णा' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) कथानक की दृष्टि से 'रुक्मिणी-हरण' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) कहानी-कला की दृष्टि से 'युद्ध' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'जीवनर अमिया' निबंध का सारांश लिखिए।

(ङ) 'रुक्मिणी-हरण' नाटक की रस-योजना पर प्रकाश डालिए।

★★★